● सुनो, समझो और सुनाओ :

४. वार्षिकोत्सव

इस पत्र द्वारा विद्यार्थी ने अपने विद्यालय में मनाए गए वार्षिकोत्सव समारोह का आँखों देखा हाल अपने मित्र को बताया है ।

खोजबीन

डाकघर से प्राप्त सेवाएँ बताओ और संकेत स्थलों से अन्य सेवाएँ ढूँढ़कर उनकी सूची बनाकर सुनाओ ।

सेवाओं के नाम | कब ली जाती हैं ?

नागपुर
दि. ७ जनवरी, २०१७

प्रिय मित्र संजय,

नमस्कार ।

तुम्हारा पत्र मिला । तुम्हारे विद्‌यालय में संपन्न हुए वार्षिकोत्सव का वर्णन पढ़कर बहुत आनंद आया ।

दो दिन पूर्व हमारे विद्‌यालय में भी वार्षिकोत्सव बड़ी धूमधाम से संपन्न हुआ । इस समारोह के अध्यक्ष एक भूतपूर्व सैनिक थे । मुख्य अतिथि के रूप में महापौर पधारी थीं ।

इस अवसर पर अनेक रोचक कार्यक्रम संपन्न हुए । सातवीं कक्षा के विद्‌यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए । इनके द्‌वारा भारत के सभी प्रदेशों की सांस्कृतिक झाँकियाँ प्रस्तुत की गईं । विद्‌यार्थियों की 'विविध वेशभूषा' ने दर्शकों की वाह-वाही लूटी । विभिन्न खेलों की स्पर्धाएँ भी संपन्न हुईं ।

इस अवसर पर वर्षभर की विविध प्रतियोगिताओं एवं उपक्रमों में विजयी विद्‌यार्थियों और उनके अभिभावकों को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया । इन विद्‌यार्थियों के मार्गदर्शक शिक्षक-शिक्षिकाओं को भी सम्मानित किया गया । वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में आकर्षक रंगोली की प्रदर्शनी लगाई गई थी । स्वादिष्ट व्यंजनों की प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया था । इनमें विद्‌यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया । इन सभी की अतिथि महोदया एवं अध्यक्ष जी ने मुक्तकंठ से सराहना की ।

मुख्य अतिथि ने अपने भाषण में विद्‌यार्थियों को प्रतियोगिताओं में प्राप्त सफलता पर बधाइयाँ दीं । उन्होंने अपने विद्‌यार्थी जीवन की कई घटनाएँ सुनाईं । मुख्य अतिथि ने बच्चों को बताया कि वे अपने माता-पिता और गुरुजनों की प्रत्येक बात ध्यान से सुनें और उनका पालन करें । विद्‌यालय में सीखी गई बातें उन्हें हमेशा संबल देती रहेंगी । समारोह के अध्यक्ष ने विद्‌यालय की रचनात्मक गतिविधियों की प्रशंसा की और कहा, "देश होगा तभी बलवान, जब बलिदान देगा हर नौजवान ।" उन्होंने विद्‌यार्थियों को देश एवं समाज के लिए त्याग करने हेतु तत्पर रहने के लिए प्रेरित किया । हिंदी के महत्त्व को बताते हुए समझाया कि इसका प्रयोग अनुवाद, संचार माध्यम, फिल्मों एवं संपर्क भाषा के रूप में बढ़ रहा है । आपको हिंदी का अध्ययन करना जरुरी है ।

❑ पत्र का मुखर एवं मौन वाचन कराएँ । चर्चा द्‌वारा पत्र का ढाँचा श्यामपट्ट पर लिखकर अच्छी तरह समझाएँ । पत्र में प्रेषक और प्राप्तकर्ता के स्थान के अंतर को स्पष्ट करें । छात्रों से वार्षिकोत्सव का वृत्तांत लिखने के लिए प्रोत्साहित करें ।

बताओ तो सही

स्वयं किए हुए कार्य

- घर
- विद्यालय
- परिवेश
- त्योहार

मुझे विश्वास है कि वार्षिकोत्सव समारोह का वर्णन पढ़कर तुम्हें आनंद होगा । चाचा जी और चाची जी को मेरा प्रणाम कहना । बहन स्वाति को मेरा स्नेह ।

तुम्हारा मित्र
अविनाश

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द
सराहना = प्रशंसा
संबल = आधार
गतिविधि = कृति
बलिदान = न्यौछावर
मुहावरा
वाह-वाही लूटना = शाबाशी पाना ।

अध्ययन कौशल

अपना दैनिक नियोजन बनाकर लिखो तथा अपने व्यवहार में प्रयोग करो ।

विचार मंथन

।। तोल-मोल के बोल ।।

वाचन जगत से

अंतरजाल से कागज की खोज संबंधी जानकारी पढ़ो ।

जरा सोचो .... लिखो

शिक्षक दिवस पर तुम्हें प्रधानाध्यापक बनाया जाए तो ...

सदैव ध्यान में रखो

पत्र विचारों के आदान-प्रदान के साधन होते हैं ।

✻ सही शब्द चुनकर वाक्य फिर से लिखो :

(क) इस समारोह के अध्यक्ष एक ------ सैनिक थे ।
[संस्था, प्रधान, भूतपूर्व]

(ख) अध्यक्ष ने विद्‌यालय की ------ गतिविधियों की प्रशंसा की ।
[सौंदर्यपूर्ण, रचनात्मक, कृतिप्रधान]

(ग) अतिथि के रूप में ------ पधारी थीं ।
[प्राचार्य, महापौर, उपमहापौर]

(घ) विभिन्न खेलों की ------ संपन्न हुईं ।
[प्रतियोगिताएँ, स्पर्धाएँ, प्रतिद्‌वंद्‌विताएँ]

भाषा की ओर

निम्नलिखित वाक्यों को पढ़ो और मोटे अक्षरों में छपे शब्दों पर ध्यान दो, पढ़कर उद्‌देश्य-विधेय अलग करके लिखो :

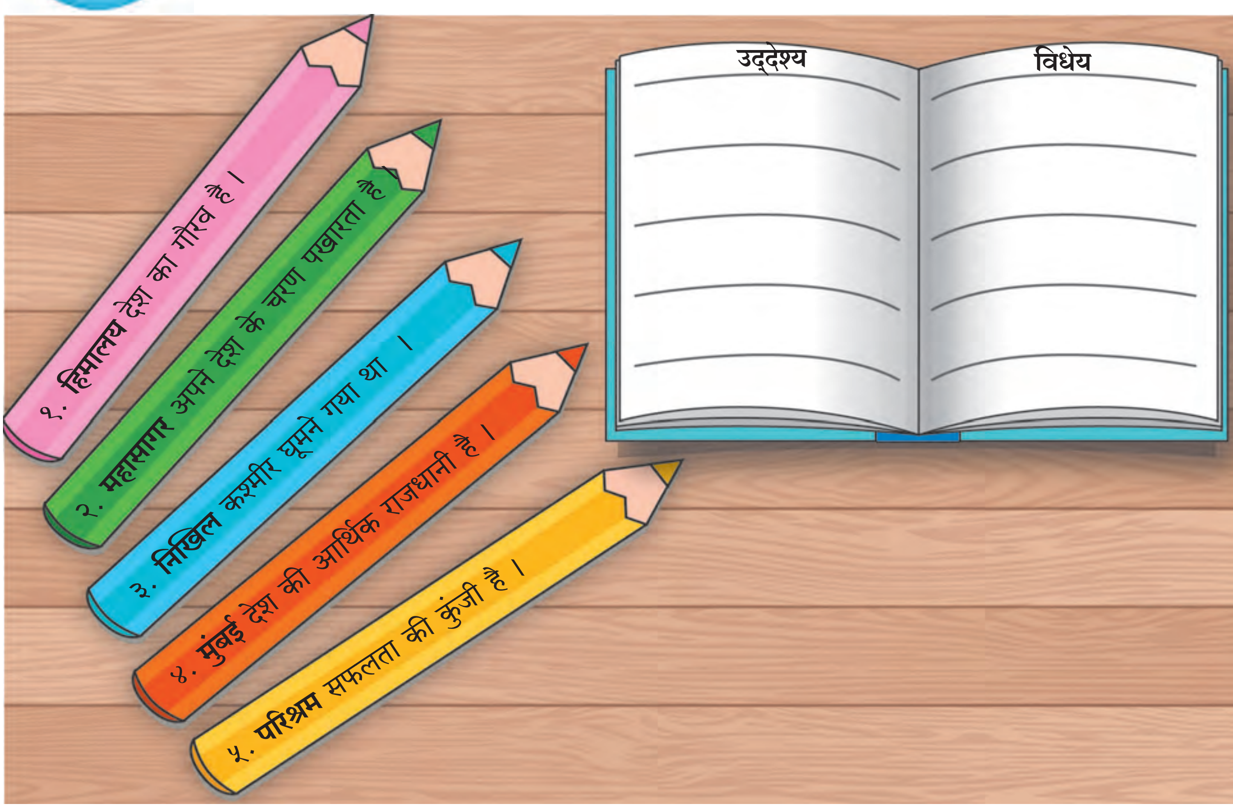

ऊपर के वाक्यों में **हिमालय, महासागर, निखिल, मुंबई, परिश्रम** इनके बारे में कहा गया हैं । वाक्य में जिसके बारे में कहा या बताया जाता है वह **उद्‌देश्य** होता है

ऊपर के वाक्यों में हिमालय के बारे में- **देश का गौरव है,** महासागर के बारे में- **अपने देश के चरण पखारता है,** निखिल के बारे में- **कश्मीर घूमने गया था,** मुंबई के बारे में-**देश की आर्थिक राजधानी है,** परिश्रम के बारे में-**सफलता की कुंजी है-** कहा गया है । उद्‌देश्य के बारे में जो कहा गया है वह **विधेय** है ।